डिसलेक्सिया बच्चों के लिए वर्कशीट का उपयोग

माला आर नटराजन, गौरी रामनाथन

डिसलेक्सिया और इसका अकादमिक प्रदर्शन पर प्रभाव

डिसलेक्सिया एक जीवन पर्यन्त रहने वाली न्यूरोलाजिकल स्थिति है जिसके कोई शारीरिक लक्षण नहीं होते। डिसलेक्सिया से पीड़ित बच्चों में औसत या औसत से अधिक आईक्यू के साथ विलक्षण क्षमता और अलग ढंग से सोचने की कुशलताएँ होती हैं, लेकिन इनकी सम्भावनाओं और वास्तविक प्रदर्शन के बीच काफ़ी असमानता होती है। डिसलेक्सिया से पीड़ित बच्चा कक्षा में पढ़ने में, उच्चारण में, लिखने में या गणित करने में कठिनाई का सामना कर सकता है। इसके परिणामस्वरूप, इन कुशलताओं में निपुणता की कमी के कारण इन्हें सहेज पाना, फिर से याद कर पाना और परीक्षा दे पाना बच्चे के लिए मुश्किल हो सकता है। डिसलेक्सिया का स्तर — हल्का, मध्यम या गम्भीर हो सकता है, इसी से निर्धारित होता है कि बच्चा कितनी मुश्किल का सामना करेगा। डिसलेक्सिया का सन्देह कक्षा-1 (या बाद में) पढ़ने-लिखने में संघर्ष करने वाले बच्चों में किया जा सकता है और एक मानकीकृत आकलन परीक्षण से इस बात को पक्का किया जा सकता है।

व्यक्तिगत शिक्षण योजना (IEP) पर आधारित, ढाँचाबद्ध, मल्टी मॉडल शिक्षण, ज़रूरी अकादमिक कुशलताएँ और दक्षताएँ निर्मित करने में मदद करता है। सुधारात्मक शिक्षण बच्चे की ख़ूबियों का सहारा लेकर इन अवधारणाओं की समझ विकसित करने में उसकी मदद करता है। उदाहरण के लिए मुख्यधारा का कोई प्रशिक्षित शिक्षक किसी हल्के डिसलेक्सिया प्रभावित बच्चे की कक्षा में ही मदद कर सकता है। मध्यम डिसलेक्सिया प्रभावित बच्चे के लिए जिस अतिरिक्त सहायता की ज़रूरत होती है, वह स्कूल में ही बने संसाधन कक्ष में विशेष शिक्षक प्रदान कर सकता है। गम्भीर डिसलेक्सिया वाले बच्चों के मामले में अपेक्षित प्रदर्शन और वास्तविक प्रदर्शन के बीच के फ़ासले को कम करने के लिए लम्बे समय के लिए पूर्णकालिक उपचार ज़रूरी होगा।

उन्हें वैसे सिखाएँ जैसे वे सीखते हैं

सीखने-सिखाने की प्रक्रिया का उद्देश्य अवधारणाओं की समझ और कुशलताएँ प्रदान करना है ताकि सीखने वाला उन्हें आत्मसात कर सके और बाद में उन्हें पुनः याद कर सके। पुनः याद की हुई (recalled) जानकारी को आधार बनाकर आगे समझ को व्यक्त करने, सामान्यीकरण के लिए, ज्ञान का अनुप्रयोग करने और नया ज्ञान अर्जित करने के लिए उपयोग किया जाता है।

हर व्यक्ति का नई जानकारी को सीखने, बनाए रखने और उपयोग करने का विशिष्ट तरीक़ा होता है और डिसलेक्सिया से प्रभावित बच्चों में थोड़ा ज़्यादा ही होता है। वे मल्टीमोडल तरीक़े के उपयोग से सबसे अच्छी तरह सीखते हैं। मद्रास डिसलेक्सिया एसोसियशन (MDA) के एक प्रोजेक्ट अनन्या रिसर्च एंड लर्निंग सेंटर पर, शिक्षण गतिविधियों को मल्टीपल इन्टेलिजेन्स (MI) तरीक़ों के साथ घनिष्ट रूप से जोड़कर बनाया गया है।

किसी बच्चे को उचित शैक्षणिक पड़ाव पाने के लिए, प्राथमिक कक्षाओं में कुछ ज़रूरी कुशलताओं — पढ़ना, वर्तनी, लिखना और गणित (उप–कुशलताओं समेत) पर ध्यान केन्द्रित किया जाता है। उदाहरण के लिए एक स्वतंत्र, सार्थक पठन सत्र पूरा करने के लिए निम्नलिखित उप-कुशलताओं की आवश्यकता होती है : दिख रहे शब्दों और डीकोडेबल शब्दों को तत्क्षण पढ़ पाना, सन्दर्भ के अन्तर्गत शब्दों के अर्थ समझ पाना, पूरे वाक्य का अर्थ समझ पाना और फिर एक पैराग्राफ़ का मतलब समझ पाना। इसे पूरा करने के लिए स्व-चालितता (प्रवाह) की आवश्यकता है।

लिखने के लिए कई कौशलों की ज़रूरत होती है : दी गई जगह में स्पष्ट रूप से लिखना और अपने विचारों को सही शब्दों का उपयोग करके, उन्हें सही व्याकरण, वर्तनी, वाक्यविन्यास तथा प्रस्तुतीकरण में जमाकर स्पष्ट व धाराप्रवाह ढंग से अभिव्यक्त करना। हमारे केन्द्र पर जो शिक्षण पद्धति अपनाई गई है वह इस विचारधारा से प्रेरित है कि बच्चे जैसे सीखते हैं उन्हें वैसे ही सिखाया जाए। सीखने-सिखाने की इस योजना में वर्कशीट की भूमिका तभी आती है जब बच्चा किसी संकल्पना या कौशल को पूरी तरह अंगीकार कर लेता है। वर्कशीटों का उपयोग बच्चों के अधिगम परिणामों का आकलन करने के लिए और उनकी प्रगति की निगरानी के उपकरण की तरह किया जाता है।

वर्कशीटों की योजना और निर्माण

वर्कशीट हमेशा से हमारे केन्द्र में उपयोग की गईं हैं। इनके विशिष्ट उद्देश्य होते हैं। उदाहरण के लिए, वर्कशीट-1 (**चित्र-1**

में दिखाया गया है) का उद्देश्य केवल स्वरों के अंगीकरण को जाँचना नहीं है। यह एक ज़रूरी कौशल को अर्जित करने की जाँच करता है — छोटी ध्वनि वाले स्वर। किसी बच्चे की क्षमता और जिन क्षेत्रों में उसे सुदृढ़ीकरण की ज़रूरत है, उसके अनुसार उसे क्रमबद्ध (ग्रेडेड) व व्यक्ति-विशिष्ट वर्कशीट दी जाती हैं।

जब शुरुआती वर्कशीट वर्णमाला के सिद्धान्तों के अंगीकरण को प्रमाणित कर देती हैं, तब वर्कशीट-2 और 3 (जो **चित्र-1** में दिखाए गए हैं) पठन कौशल निर्माण की अलग-अलग अवस्थाओं में उपयोग की जा सकती हैं।

स्वरों की ध्वनियों और व्यंजनों के मिश्रण की सही पहचान से शुरू करके यह पढ़ने और सही शब्द की पहचान के माध्यम से पठन और समझने की जाँच करता है। इन वर्कशीटों की शुरुआत साधारण व्यंजन-स्वर-व्यंजन शब्दों से होती है और मुहावरों तक जाती है और फिर पूरे वाक्यों तक। इससे यह सुनिश्चित हो जाता है कि बच्चे का लेखन कौशल पढ़ने के कौशल के आकलन में बाधा न बने।

डिसलेक्सिया से प्रभावित कई बच्चों को यह दिक़्क़त आती है कि जब वे किसी कौशल से आगे बढ़कर किसी नज़दीकी से जुड़े हुए कौशल की ओर जाते हैं तो उनमें पूर्व में अर्जित कौशल की पकड़ ढीली होती जाती है। निम्नलिखित उदाहरण बताता है कि कैसे ऐसे शब्दों में छोटी और लम्बी ध्वनि वाले स्वरों को जाँचने के लिए उपयोग किया जाता है, जिनमें ‘e’ ध्वनि शान्त है। यह शृंखला (जो **चित्र-2** में दिखाई गई है) एक शब्द सूची से शुरू होती है और धीरे-धीरे वाक्यों में शब्दों के उपयोग की तरफ़ बढ़ती है। जैसा कि पहले बताया गया है बच्चा बहुत कम लिखने से शुरुआत करता है फिर धीर-धीरे लिखने की मात्रा बढ़ाई जाती है।

इसी तरह के ग्रेडेड वर्कशीटों (**चित्र-3**) का उपयोग बहु-सिलेबल शब्दों, संयुक्त शब्दों और शब्दावली के आकलन में भी किया जाता है।

पढ़ना और लिखना एक-दूसरे से नज़दीकी से जुड़े हुए हैं और इनका विकास तभी किया जा सकता है जब कोई बच्चा भाषा कौशलों का विकास कर ले।

मौखिक शब्दावली को बढ़ाने वाली गतिविधियाँ, जैसे आस-पास की चीज़ों के नाम देना, किसी वस्तु या अवधारणा से जुड़े

Worksheet 1
Circle the odd one out

1. bun, sun, run, pen, gun
2. cat, hut, bat, hat, mat
3. pin, tin, bin, ten, win
4. den, fan, fen, pen, men

Consonant Blends
put under correct heading

spoon, star, smoke, snake, slide
swan, clock, fly, brush, tree
small, snow, spin, flat, stop

Worksheet 2
Tick the correct word

1. The ball is (smell / small)
2. The blue bird is in the (nest /best)
3. We have a (test / rest) today
4. He (west / lost) his pen
5. Ram is the (must / best) boy in class

Worksheet 3

Read and tick the correct answer

1. Sam likes to wear red car / cap.
2. Priya rides the car / cot to school.
3. After school Dinesh plays with log / dog.
4. At 9 'O clock Sita goes to bed / bud.
5. The dog bangs / barks at a man.
6. The letter d says big / done
7. In the word black take away 'l' Then read word back / dack .
8. Mira has a book / took.
9. Yesterday Suresh and his mother went / want for a walk.
10. My father drew cash / fish from the bank.

चित्र-1 : ग्रेडेड और व्यक्ति-आधारित वर्कशीट

Short and long vowels: silent 'e'

1 Short vowels	2 Long vowel Add an e to make the vowel say its own name

3 Short vowels	4 Long vowel Add an e to make the vowel say its own name

a

1. at	ate
2. can	can___
3. hat	hat___
4. mad	mad___
5. mat	mat___
6. man	man___
7. tap	tap___

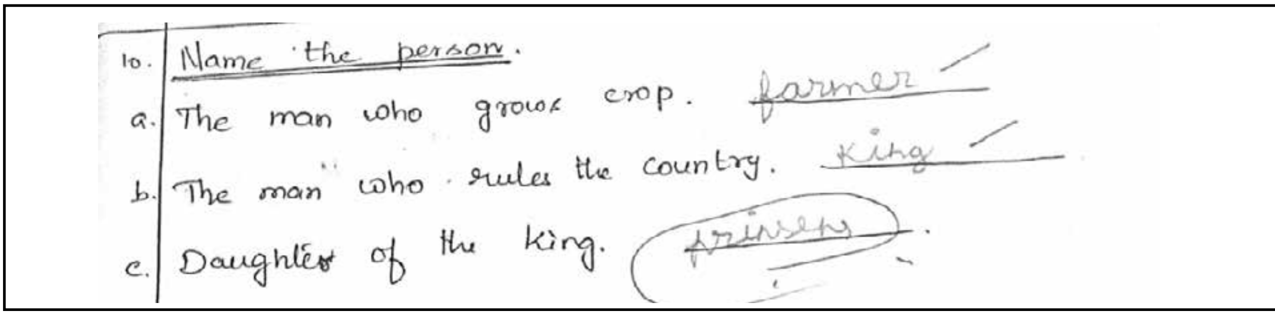
i

1. bit	bite
2. hid	hid___
3. kit	kit___
4. pin	pin___
5. pip	pip___
6. rid	rid___
7. rip	rip___
8. win	win___

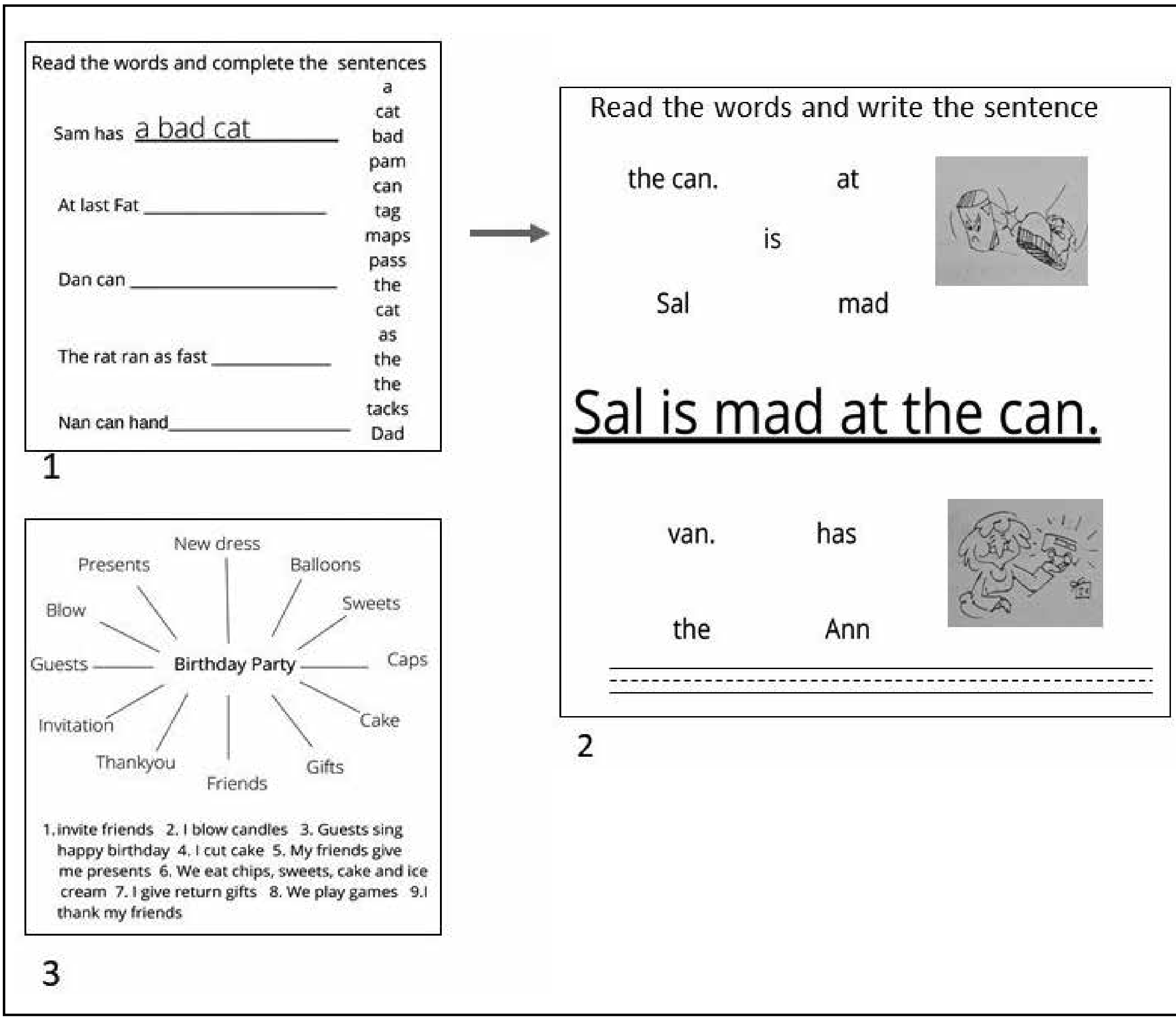
Cross out the wrong word

1. The plumber repairs the (pip, pipe).
2. All of us like to eat (ripe, rip) fruits.
3. I (lick, like) to watch T.V on Sunday.
4. Prema has a very (cute, cut) doll.
5. We can use a match to light the (fir, fire).
6. We must not eat (stall, stale) food.
7. Mothers take (care, car) of children.
8. The hair on the lion's neck is called (man, mane).

चित्र-2 : एक शब्द सूची जिससे शब्दों के उपयोग से वाक्य बनाने तक पहुँच सकते हैं।



चित्र-3 : बहु-सिलेबल शब्दों, सन्धि शब्दों और शब्दावली का आकलन करने के लिए वर्कशीट।



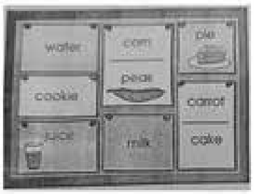
चित्र-4 : वर्कशीटों को उपयोग में लाने का क्रम।

शब्द, जैसी गतिविधियाँ हर दिन की जाती हैं। इस तरह से यह पढ़ने का अभ्यास बन जाता है, साथ में वर्तनी की पकड़ सुदृढ़ भी करता है और अन्त में लेखन कार्य में समाप्त होता है।

‘दिखाओ और बताओ’ या ’सर्कल टाइम’ जैसे अभ्यास संकल्पना निर्माण और विचारों को संगठित करने जैसे कौशलों का विकास करते हैं। ‘पिक्चर हेल्प्स’ अगली गतिविधि है जो बच्चों को वाक्य संरचना और व्याकरण कौशलों को सुदृढ़ करने में मदद देती है। कौशलों का विकास क्रमिक रूप से किया जाता है — पहले कुछ पंक्तियाँ बिन्दुओं के रूप में लिखना, फिर एक छोटा पैराग्राफ़ लिखना।

Menu Mix - Up

Directions: Circle names of vegetables in green.
Circle names of drinks in red.
Circle names of desserts in pink.



Directions: Write each food word on the correct line.

Drinks	Vegetables	Desserts
________	____________	____________

In what order did events happen?

Everyone in my family was in the show. First my sister danced. Then Mom and Dad acted a scene from a play. Third on the stage was my brother reading a poem he had written. I was the last member of the family to appear, and I sang my favorite song.

Circle the words that describe the sentences.

hiding	acting	cooking	singing
dancing	reading	running	whispering

Write the words you circled in the order that events happened.

1.____________ 2.____________

3. ____________ 4. ____________

Someday we will all have robots that will be our personal servants. They will look and behave much like real humans. We will be able to talk to these mechanical helpers and they will be able respond in kind. Amazingly, the robots of the future will be able to learn from experience. They will be smart, strong and untiring workers whose only goal will be to make our lives easier.

Which sentence from the paragraph expresses the main idea?

a. Someday we will all have robots that will be our personal servants.
b. We will be able to talk to these mechanical helpers and they will be able to respond in kind.
c. They will look and behave much like real humans.

चित्र-5 : बहुसंवेदी और अन्तरक्रियात्मक गतिविधियाँ।

जैसे-जैसे ये ज़रूरी कौशल क्रमिक रूप से अर्जित किए जाते हैं, बच्चा उन वर्कशीटों पर काम करने के लिए तैयार हो जाता है, जो उसके लेखन कौशल, व्याकरण, वाक्य संरचना, गद्यांश संरचना और विचार निर्माण की जाँच करते हैं।

यह ग्राफ़िक (**चित्र-4**) वर्कशीटों को उपयोग करने का क्रम दर्शाता है — दिए गए शब्दों को सही क्रम में जमाकर वाक्यों को पूरा करने का एक अभ्यास। इसके बाद एक वर्कशीट जिसमें कई प्रश्नों के साथ दृश्य सुराग़ दिए गए है, जिनके आधार पर इन शब्दों को अर्थ की दृष्टि से सही वाक्यों में जमाना होता है। और अन्त में एक वर्कशीट है जिसमें एक ग्राफ़िक उपकरण और दिशानिर्देशक वाक्य/ मुहावरे हैं जिससे किसी दिए गए विषय पर वाक्य लिखने के कौशल की जाँच की जाती है।

भावपूर्ण लेखन के लिए कुछ मूलभूत कौशलों की आवश्यकता होती है — उनमें से कुछ हैं वर्गीकरण का ज्ञान, घटनाओं के क्रम की पहचान कर पाना, किसी पैराग्राफ़ के मुख्य विचार तक पहुँचना। ये कौशल पढ़कर समझने के विकास के लिए भी ज़रूरी हैं।

सुधारात्मक सत्र में बहु-संवेदना और अन्तर्क्रिया आधारित गतिविधियों के ज़रिए इन कौशलों के अर्जन को जाँचने वाली वर्कशीटों का सार **चित्र-5** में दिया गया है।

चित्र-6 में जो वर्कशीट दिखाई गई है वह लगभग वैसी है जैसी किन्हीं मुख्यधारा स्कूलों में उपयोग की जाती है। यह किसी

बच्चे के पढ़ने, वर्तनी और लिखने के कौशल की समग्र जाँच करता है और इसका उपयोग तब किया जाता है जब बच्चा इन कौशलों में पर्याप्त रूप से निपुण हो जाता है।

क्षमताओं और ज़रूरतों के आधार पर वर्कशीट

हमारे केन्द्र पर विशेष शिक्षक वर्कशीट बनाने के लिए बहु-बुद्धिमत्ता के तरीक़े का उपयोग करते हैं अर्थात वर्कशीट बच्चों

Name ____________

Ben's Frog

Ben had a frog in a box.
The frog was little and green.
Ben found it in the park.
The frog was by a rock.
He gave it to his friend.



1. What did Ben have?

____

2. Where did Ben keep his frog?

____

3. What color was the frog?

____

4. Where did Ben find the frog?

____

5. What was by a rock?

____

6. What did Ben do with the frog?

____

चित्र-6 : पढ़ने, वर्तनी और लेखन का समग्र मूल्यांकन।

n o s w - it is white in colour found on mountain

r o w g - it happens to living things

l e o w b - part of a body

o a g t - is a grass eating animal

r o c w - it is a black bird

Give one word for :

1. It is the opposite of cruel k _ _ d.
2. A person who cannot see is b _ _ _ d.
3. A young boy or girl is a ch _ _ d
4. A cow is a domestic animal but a lion is w _ _ d.
5. The past tense of sell is s _ _ d.
6. It is the opposite of hot c _ _ d.

चित्र-7 : उच्च तार्किक गणितीय बुद्धि और भाषायी बुद्धि वाले बच्चे के लिए।

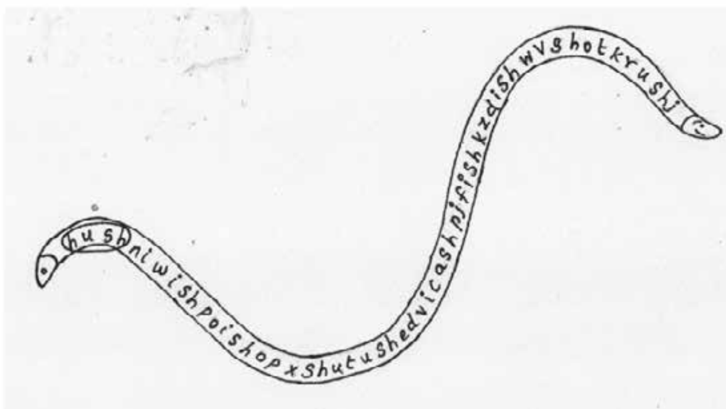
की प्रमुख बुद्धिमत्ता पर आधारित होती हैं। इस सिद्धान्त के अनुसार किसी भी व्यक्ति के अन्दर आठ अलग-अलग बुद्धिमत्ताएँ होती हैं जो अलग-अलग स्तर की वरीयता रखती हैं। सीखने में मदद के लिए प्रमुख बुद्धिमत्ता उपयोग किया जाता है।

उदाहरण के लिए एक बच्चा जिसमें तार्किक-गणितीय बुद्धि और अन्तर्वैयक्तिक बुद्धि प्रमुख है तो उसके लिए समूह गतिविधियाँ ज़्यादा प्रभावी होती हैं जैसे पहेलियाँ सुलझाना।

एक उच्च तार्किक गणितीय क्षमता और भाषायी क्षमता वाले बच्चे के लिए आकर्षक वर्कशीट का सार **चित्र-7** में दिखाया गया है।

डिसलेक्सिया एक ऐसी स्थिति है जिसके साथ अक्सर श्रवण

Put a ring round all the /sh / words that you can find in this word snake.



चित्र-8

Say the "sh" sound

Fill in / sh / in each space, then rewrite the sentences. (Remember, every sentence begins with a capital letter and ends with a full stop.)

1. Mum got fi _ _ at a _ _ op.
2. I wi _ _ I had a di _ _ of fi _ _ .
3. _ _ ut my _ _ ed.
4. _ _ e has got a lot ca _ _ .
5. Ben got on a _ _ ip in a ru _ _ .

चित्र-9

सम्बन्धी और/ या दृश्य बनाने सम्बन्धी दिक़्क़त होती है।

इसका मतलब यह हुआ कि दृष्टि या श्रवण में समस्या नहीं होने के बावजूद व्यक्ति दृश्य और श्रवण इनपुट्स बनाने में परेशानी महसूस करता है। उदाहरण के लिए —

- किसी वस्तु को उसकी पृष्ठभूमि से अलग करके देखने में समस्या, जिसके चलते इबारत को देखकर ज़रूरी जानकारी प्राप्त करने में दिक़्क़त होती है।
- अक्षरों और शब्दों को उनके सही क्रम में याद करना और याद रख पाना। जैसे help को hlep पढ़ना।
- त्रिविमीय संयोजन, उदाहरण के लिए, शब्दों के बीच जगह को व्यवस्थित करना।

वर्कशीट बनाते हुए किसी बच्चे को होने वाली परेशानियों (उदाहरण के लिए दृश्य बनाने की परेशानियाँ) का भी ध्यान रखा जाता है। **चित्र-8** में दिया गया अभ्यास ऐसे बच्चे को नहीं दिया जाएगा जिसे दृश्य चित्र के सन्दर्भ में 'पृष्ठभूमि दिक़्क़त' और क्रम को पहचानने में परेशानी होती है। उसे **चित्र-9** में दिया गया वैकल्पिक अभ्यास दे सकते हैं।

हमारे केन्द्र पर बच्चों को दृश्य-अनुभूति कौशल जैसे कुछ ज़रूरी कौशल निर्मित करने व विकसित करने के लिए प्रशिक्षण दिया जाता है, जिसमें खेल विधि, सर्कल टाइम और अभिनय जैसी कई रुचिकर गतिविधियाँ हैं।

चित्र-10 में दिखाई गई वर्कशीट इन कौशलों के अधिग्रहण को जाँचने के लिए दी जाती है।

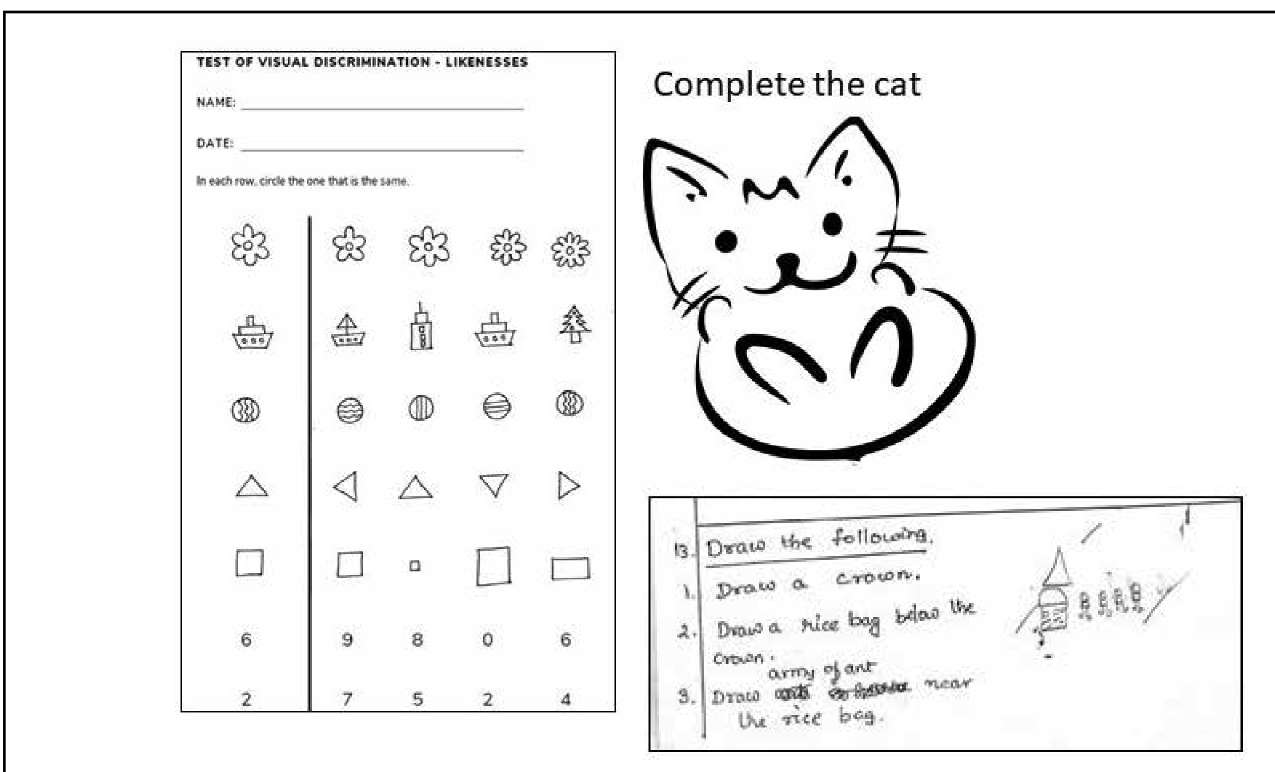
ये कुछ उदाहरण हैं कि कैसे हमारे केन्द्र पर वर्कशीटों को प्रत्येक बच्चे के लिए व्यक्तिगत तौर पर तैयार किया जाता है (जो उपचारात्मक शिक्षण का एक बुनियादी सिद्धान्त है)।

वर्कशीट की भाषा और प्रारूप को किसी बच्चे के लिए एकरूप रखा जाता है। यह उस भ्रम को कम करता है जो कुछ निर्देशों से उत्पन्न हो सकता है, जो प्रदर्शन को बाधित कर सकते हैं।

डिसलेक्सिया से पीड़ित बच्चों में कामकाजी कौशलों में कमी हो सकती है, यह ज़रूरी कौशलों का एक समूह जो व्यक्ति की क्रियाओं और विचारों का नियमन करता है। यह केवल शैक्षणिक रूप से नहीं, बल्कि रोज़मर्रा के कामों के लिए भी ज़रूरी है। उपचारात्मक शिक्षण बच्चे को इन परेशानियों से बचने की रणनीतियाँ बनाने में मदद करता है। वर्कशीट बच्चे को ध्यान देने, याद करने, उचित प्रतिक्रिया की योजना बनाने व व्यवस्थित करने और स्वयं के उत्तरों की निगरानी करने के कौशल के अभ्यास करने का मौक़ा देती है।

डिसलेक्सिया से पीड़ित बच्चे के लिए वर्कशीट का उपयोग करना

वर्कशीट पर काम के दौरान एक विशेष शिक्षक बच्चे को देखता रहता है। वर्कशीट जूझने या असफल होने के लिए



चित्र-10 : आवश्यक कौशलों के अधिग्रहण करने का आकलन करना।

नहीं बनाई गई हैं। यदि ज़रूरी हो तो बच्चे को मौखिक रूप से जवाब देने को प्रेरित किया जाता है जो वर्कशीट भरने की तैयारी का एक चरण हो सकता है। यदि कोई बच्चा किसी वर्कशीट को करने में आत्मविश्वास की कमी या असहजता महसूस करता है तो विशेष शिक्षक उसकी जगह कम कठिन वर्कशीट दे देता है।

यह न केवल बच्चे को उत्साहित बनाए रखता है बल्कि यह उसे लचीलेपन का अभ्यास करने और कोशिश न छोड़ने के लिए भी प्रेरित करता है। बच्चे को अगली वर्कशीट को हल करने के पहले अतिरिक्त सुदृढ़ीकरण सत्र दिए जाते हैं।

जब बच्चे ज़रूरी कौशलों और रणनीतियों को विकसित कर लेते हैं और उन्हें कई गतिविधियों में प्रदर्शित कर देते हैं, तब वे मुख्यधारा की सीखने-सिखाने की प्रक्रिया में जुड़ने को तैयार होते हैं। इसके बाद उन्हें धीरे-धीरे मुख्यधारा स्कूल की वर्कशीट हल करने का प्रशिक्षण दिया जाता है।

लिहाज़ा, वर्कशीट विशेष शिक्षा के लिए प्रासंगिक हैं। इन्हें उपचारात्मक शिक्षण के सिद्धान्तों से जोड़ा जा सकता है और ये विशेष कौशलों, उप-कौशलों के अधिग्रहण की जाँच करती हैं और इस तरह उपचारात्मक शिक्षण का उद्देश्य पूरा करती हैं।



माला एम नटराजन एक विशेष शिक्षक हैं, उन्होंने डिसलेक्सिया से पीड़ित बच्चों को पढ़ाने के लिए प्रशिक्षण लिया है। वे वर्तमान में मद्रास डिसलेक्सिया एसोसिएशन (MDA), चेन्नई के साथ काम कर रही हैं। इससे पहले वे सूचना प्रौद्योगिकी में कॉर्पोरेट क्षेत्र में काम कर चुकी हैं। उनका रुझान प्रौद्योगिकी को विशेष शिक्षा और प्रशिक्षण में एकीकृत करने की ओर है। उनसे mala.rn@mdachennai.com पर सम्पर्क किया जा सकता है।



गौरी रामनाथन अनन्या लर्निंग एंड रिसर्च सेंटर, चेन्नई की प्रिंसिपल हैं। उनका मानना है कि हर बच्चा अद्वितीय है और उसमें प्रतिभा है। वे मद्रास डिसलेक्सिया एसोसिएशन (MDA), चेन्नई में 2002 में एक विशाष शिक्षक के रूप में शामिल हुई थीं, जहाँ वे प्राथमिक और पूर्व प्राथमिक स्तर पर बच्चों को पढ़ाती हैं। पिछले 18 सालों से वे कई भूमिकाएँ निभाती आई हैं — बच्चों को पढ़ाना, डिसलेक्सिया के बच्चों का आकलन करना, संसाधन कक्षों की देखभाल और निगरानी करना और स्कूल के प्रशासनिक काम। उनसे gowri@gmail.com पर सम्पर्क किया जा सकता है।

अनुवाद : अर्पिता व्यास **पुनरीक्षण :** सुशील जोशी **कॉपी एडिटर :** अनुज उपाध्याय